MAHD-01

June - Examination 2015

एम.ए. पूर्वार्द्ध
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
MAHD-01

Time : Three Hours] *[Max. Marks : 80*

निर्देश: यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, खण्ड, ब और खण्ड स में विभाजित है। खण्ड अ अति लघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तारात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड 'अ'

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 8x2=16

प्रश्न-1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) तुलसीदास की 'दोहावली किस प्रकार की रचना है।

(ii) जायसी के काव्य में नागमती कौन है? उसका काव्य में क्या महत्व है?

(iii) कबीर के 'अनहद' से क्या तात्पर्य है?

(iv) रीतिबद्ध काव्य से क्या तात्पर्य है?

(v) सूर ने अपने इष्ट का किस रूप में वर्णन किया।

(vi) प्रेम की पीर के कवि किसे कहा जाता है, वे किस प्रेम में डूबे थे।

(vii) मीरां बाई किस काल की एवं किस भाव की कवयित्री हैं।

(viii) भूषण की कविता में किस रस का समावेश है? एवं उनके काव्य का मुख्य विषय क्या है?

खण्ड 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द-सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 4x8=32

2. घनानंद द्वारा प्रस्तुत प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट करें।
3. बिहारी द्वारा चित्रित प्रेम और सौन्दर्य के स्वरूप को स्पष्ट करें।
4. जायसी के काव्य में लोकजीवन की विवेचना करें।
5. पृथ्वीराज रासो में युद्ध एवं शृंगार का समावेश हुआ है, स्पष्ट करें।
6. विद्यापति का युग दरबारी और राज्याश्रित कवियों का युग माना जाता है? इस कथन की विवेचना कीजिए।
7. सूरदास के काव्य में लोकजीवन का सम्पूर्ण चित्र मिल जाता है। सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए।
8. बिहारी सतसई की लोकप्रियता के कारणों पर प्रकाश डालिए।
9. पद्माकर के ऋतु-वर्णन पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड 'स'

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द-सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2x16=32

10. जायसी के पद्मावत में भावपक्ष और कलापक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।
11. 'तुलसी समन्वयवादी कवि हैं' को केन्द्र में रखते हुए उनके काव्य-सौन्दर्य का विश्लेषण करें।
12. मीरांबाई की कृष्ण के प्रति भक्ति और समर्पण-भावना पर लेख लिखिए।
13. कबीर के काव्य के अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष को स्पष्ट करें।